सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

कानपुर, शुक्रवार, 11 जुलाई, 2025
वर्षः 02, अंकः 187, पृष्ठः 8+4

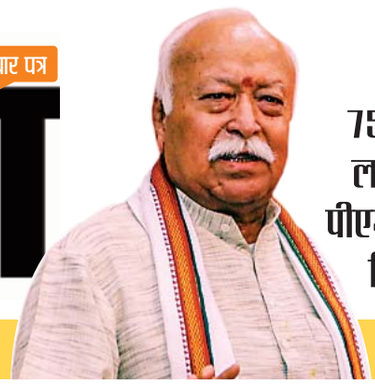

75 साल की लकीर, क्या पीएम मोदी के लिए संकेत

» Pg 12

इनसाइड सिर फोड़कर, गला काटकर की हत्या, शव को शौचालय... » Pg08

ताबड़तोड़ एनकाउंटर

48 घंटे में 12 बदमाश गिरफ्तार 6 को लगी गोली

नोएडा। पुलिस ने अलग-अलग मुठभेड़ों में 12 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान छह बदमाश घायल हो गए और उन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने बताया कि बदमाशों के पास से एक कार, बाइक, पिस्तौल, कारतूस, नकदी और अन्य सामान बरामद किया गया है। गिरफ्तारियों की जानकारी देते हुए नोएडा पुलिस ने बताया कि दनकौर थाना पुलिस ने गुरुवार सुबह एक मुठभेड़ के दौरान दो बदमाशों पंकज और सतबीर को गिरफ्तार किया। उनके खिलाफलूट, हत्या और चोरी के कई मामले दर्ज हैं। इसी तरह, सेक्टर 39 थाने की एक टीम ने बुधवार देर रात एक मुठभेड़ के बाद सुमित उर्फ बिल्ला को गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में बिल्ला के पैर में गोली लग गई। उसके साथ चार अन्य बदमाश प्रवीण उर्फ शूटर, कोविड, अनुपम उर्फ चिकना और शाहनवाज उर्फ नन्नू भी थे। उसी रात, पुलिस ने मुठभेड़ के बाद मैनपुरी निवासी अशरफ उर्फ अजय को गिरफ्तार किया।

15 साल से छांगुर करा रहा था हिंदुओं का धर्मांतरण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» ईडी ने तेज की जांच, करोड़ों की कोठी की गई ध्वस्त

» छांगुर और नीतू उर्फ नसरीन से पूछताछ शुरू की

लखनऊ। धर्मांतरण और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का आरोपी छांगुर 15 साल से हिंदुओं का धर्मांतरण करा रहा था। मामले में ईडी ने जांच तेज कर दी है। उधर, गुरुवार को उसकी पांच करोड़ की कोठी पूरी तरह ध्वस्त कर दी गई।

धर्मांतरण और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का आरोपी जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बीते 15 वर्षों से हिंदुओं का गैरकानूनी तरीके से धर्म परिवर्तन कर रहा था। बृहस्पतिवार को एटीएस ने छांगुर और उसकी करीबी नीतू उर्फ नसरीन को लखनऊ जेल से रिमांड पर लेने के बाद पूछताछ शुरू की। इसमें उसने यह खुलासा किया है। उन्हें जल्द बलरामपुर ले जाकर अवैध धर्मांतरण से जुड़े दस्तावेज बरामद करने की कोशिश है।

एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि रिमांड के दौरान छांगुर से उसके गिरोह के बाकी सदस्यों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही, उसकी संपत्तियों और विदेशी खातों से होने वाली फंडिंग का भी पता लगाया जा रहा है। छांगुर के खिलाफदर्ज मुकदमे की जानकारी ईडी को भी भेजी गई है।

इस मामले में पुणे निवासी मोहम्मद अहमद की भूमिका की जांच भी की जा रही है। वहीं दूसरी ओर ईडी ने भी छांगुर और उसके सहयोगियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। ईडी ने छांगुर और उसके करीबियों के 40 बैंक खातों की जानकारी जुटाने के बाद आयकर विभाग से संचालकों के बीते 10 वर्ष के आयकर रिटर्न का ब्योरा मांगा है।

यह है पूरा मामला : यूपी के बलरामपुर में धर्मांतरण का अड्डा बनी छांगुर की पांच करोड़ की कोठी पूरी तरह धराशायी कर दी गई। छांगुर ने यह कोठी वर्ष 2022 में नीतू उर्फ नसरीन के नाम से बनवाई थी। मंगलवार को इसके ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की गई।

छांगुर ने एक ही परिसर में दो कोठी और एक अस्तबल बनवाया था। दूसरी कोठी वैध होने के कारण उसमें ताला लगा दिया गया है। इसकी निगरानी भी बढ़ा दी गई है।

5 करोड़ की कोठी गिराने में लग गए 4.67 लाख

छांगुर ने दो बीघे में एक परिसर का निर्माण कराया था। बताया जाता है कि इस पर 12 करोड़ का खर्च आया था। जिस कोठी को गिराया गया है, उसके निर्माण पर पांच करोड़ रुपये खर्च हुए थे। इसे गिराने में प्रशासन को करीब 4.67 लाख रुपये खर्च करने पड़े। तहसील प्रशासन ने खर्च का ब्यौरा तैयार किया है। इसकी वसूली आरोपी नीतू नसरीन से की जाएगी। धनराशि जमा न करने पर आरसी जारी करके रिकवरी की जाएगी।

श्रद्धा मंडलायुक्त व मंदिर के सीईओ समेत अन्य लोगों ने श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की

सावन के पहले दिन विश्वनाथ धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वाराणसी। सावन के पहले दिन विश्वनाथ धाम में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। मंगला आरती के साथ ही बाबा का दर्शन शुरू हुआ तो हर- हर महादेव के जयकारे से पूरा धाम गूंज उठा। मंडलायुक्त व मंदिर के सीईओ समेत अन्य लोगों ने श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की। इस दौरान श्रद्धालु खुशी से झूम उठे।

इस बार सावन में वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में 1.5 करोड़ से ज्यादा भक्तों के पहुंचने की संभावना है। सावन में काशी विश्वनाथ दर्शन को लेकर भक्तों में इस कदर उत्साह है कि मंदिर में होने वाली आरती के महीने भर के सभी स्लॉट पहले से ही बुक हो चुके हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर में हर रोज पांच बार आरती होती है और मंदिर प्रशासन इसके लिए स्थान बुक करता है। प्रशासन का कहना है कि 11 जुलाई से 9 अगस्त तक सावन के पूरे महीने के लिए आरती के सभी स्थान एडवांस में ही बुक हो चुके हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा के मुताबिक पूरे महीने भर के लिए मंगला आरती, भोग आरती, सप्तऋषि आरती और श्रृंगार आरती के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग पूरी हो चुकी है। हालांकि, रात में होने वाली शयन आरती जहां काशी के वासी भजनों से बाबा विश्वनाथ सुलाते हैं उसे सदियों पुरानी परंपरा के मुताबिक सभी के लिए फ्री व खुला रखा गया है।

बिल्हौर टाउन में आधा दर्जन बड़े बकायेदारों के बिजली कनेक्शन काटे गए

तहसील प्रशासन और विद्युत विभाग की संयुक्त टीम ने की कार्रवाई

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। गुरुवार को बिल्हौर टाउन में बिजली बिल बकाया होने पर आधा दर्जन उपभोक्ताओं के कनेक्शन काट दिए गए। यह कार्रवाई तहसील प्रशासन और विद्युत विभाग की संयुक्त टीम ने की। टीम में बिल्हौर तहसीलदार अभिनव चंद्र, नायब तहसीलदार सीपी राजपूत, अमीन और बिजली विभाग के अधिकारी शामिल थे। वसूली के लिए टीम मौके पर पहुंची थी, लेकिन भुगतान नहीं होने पर कनेक्शन काटने की कार्रवाई की गई। तहसीलदार ने बताया कि कस्बे के अभय कुमार मिश्रा, जलील,शकील,अली, कहकाशां परवीन,साहेब आलम के विद्युत कनेक्शन काटे गए हैं।अधिकारियों के अनुसार यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और लंबे समय से बकाया बिल न भरने वालों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हार्डवेयर की दुकान में लाखों की चोरी, कैश और ज़ेवर लेकर फरार हुए चोर

पीड़ित बोला 5.5 लाख नकद और तीन अंगूठियां ले उड़े, पुलिस जांच में जुटी

घटना की जानकारी देता पीड़ित दुकानदार

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र उत्तरीपुरा सुजावलपुर भड़िया रोड स्थित एक बिल्डिंग मटेरियल की दुकान को चोरों ने निशाना बना डाला। बुधवार की रात अज्ञात चोरों ने दुकान का ताला काटकर भीतर रखी नकदी और जेवर पार कर दिए।

पीड़ित दुकानदार ने बताया कि जब वह गुरुवार सुबह दुकान पर पहुंचा तो दरवाजे का कुंडा टूटा मिला। भीतर जाकर देखा तो सारा सामान बिखरा था और अलमारी से तक़रीबन साढ़े पांच लाख रुपये नगद और तीन सोने की अंगूठियां गायब थीं।

सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुँची और घटनास्थल का मुआयना कर जांच शुरू की। पीड़ित ने स्थानीय कोतवाली में चोरी की तहरीर दी है।

फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज और आसपास के इलाकों में पूछताछ कर रही है। बता दें की पूर्व में हुई कई चोरियों का पुलिस अभी तक खुलासा नहीं कर पाई है।

इंजीनियर से मारपीट और अभद्रता मामले में इंजीनियर संघ नाराज़

» केडीए उपाध्यक्ष से मिलकर की कार्रवाई की मांग

» अधिकारी आवास पर आधी रात का उत्पात, KDA के अवर अभियंता के साथ मारपीट, चोरी का भी आरोप

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) की ऑफिसर्स कॉलोनी, बेनाझाबर में बुधवार रात को एक सनसनीखेज घटना ने सभी को चौंका दिया।

शुक्रवार को इंजीनियर संघ अध्यक्ष सीबी पांडे के अगुवाई में जेई अर्पण सिंह ने वीसी से भेंट की।

बताया कि अर्पण सिंह के आवास पर कुछ कर्मचारियों और बाहरी युवकों ने न केवल जबरन घुसने की कोशिश की, बल्कि गाली-गलौज, मारपीट और चोरी जैसे गंभीर आरोपों को भी जन्म दे दिया। स्थानिक पुलिस ने पूरे मामले में मुकदमा दर्ज किया है।

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com कानपुर सिटी कानपुर,गुरुवार 10 जुलाई, 2025 03

केडीए अभियंता के घर में घुसकर मारपीट, लूट और गाली-गलौज

» केडीए के दो सुपरवाइजर समेत तीन पर गंभीर आरोप

» स्वरूप नगर थाने में जूनियर इंजीनियर ने दी तहरीर

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) के प्रवर्तन अनुभाग में तैनात अवर अभियंता अर्पण सिंह के सरकारी आवास पर बुधवार रात जो हुआ, उसने पूरे विभाग में सनसनी फैला दी। आरोप है कि केडीए के ही दो सुपरवाइजर और उनके एक साथी ने घर में घुसकर जबरदस्ती की, मारपीट, लूटपाट की और अभियंता के दलित नौकर को जातिसूचक गालियां देते हुए गंभीर रूप से घायल कर दिया। मामले की एप्लिकेशन थाने में दी गई है।

घटना बेनाझाबर स्थित सरकारी आवास की है। बुधवार देर रात केडीए सुपरवाइजर बलजीत सिंह और अरुण शुक्ला अपने एक अन्य साथी प्रतीक यादव के साथ अभियंता अर्पण सिंह के आवास पर पहुंचे। सरकारी कामकाज की बात कहकर अंदर घुसे और प्रवर्तन क्षेत्र में अनौपचारिक रूप स काम दिलवाने का दबाव बनाने लगे।

शराब और पैसे की जबरन मांग

जब अभियंता ने नियमों का हवाला देते हुए इंकार किया, तो तीनों ने पहले शराब मंगवाने और फिर नकद पैसे देने की मांग की। मना करने पर गाली-गलौज शुरू हो गई। इसी दौरान घरेलू नौकर राहुल दिवाकर ने हस्तक्षेप किया तो उसे जातिसूचक गालियां दी गईं और सिर पर वार कर घायल कर दिया गया।

मोबाइल और नकदी लूटी, जान से मारने की धमकी

हमलावरों ने अभियंता के साथ भी मारपीट की, घर में तोड़फोड़ की, पर्दे फाड़ दिए और मेज पलट दी। उन्होंने सिरहाने रखा अभियंता का मोबाइल फोन और करीब 5 हज़ार रुपये नकद उठा लिए। जाते-जाते अभियंता को जान से मारने की धमकी भी दी। सूत्रों के मुताबिक, बलजीत सिंह और अरुण शुक्ला इससे पहले भी केडीए के ही सुपरवाइजर के साथ इसी तरह की घटना कर चुके हैं। पहले साथ में शराब पी और फिर मारपीट की। इस मामले में नजीराबाद थाने में मुकदमा दर्ज है।

सीसीटीवी में कैद हुई हरकतें

घटना के बाद अभियंता ने अपने पड़ोसी सहायक अभियंता अतुल राय को फोन कर बुलाया। जब दोनों अभियंता घायल नौकर के साथ घर से निकले, तो देखा कि आरोपी गली के कोने पर खड़े थे। दबाव में आकर उन्होंने अभियंता का मोबाइल लौटाया। वहीं, अभियंता ने स्वरूप नगर थाने पहुंचकर घटना की लिखित तहरीर दी। सामने के मकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में आरोपियों की आवाजाही और उत्पात कैद हो गई है।

मारपीट में घायल केडीए कर्मचारी

पीड़ित जूनियर इंजीनियर अर्पण सिंह

सरकारी आवास के टूटे शीशे

पुलिस जांच में जुटी, केडीए ने रिपोर्ट तलब की

स्वरूप नगर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। केडीए प्रशासन ने भी इस गंभीर प्रकरण पर संज्ञान लेते हुए तीनों आरोपियों से स्पष्टीकरण तलब किया है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है, और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी।इस मामले में सचिव अभय पांडे ने बताया कि डीएम की मीटिंग मे हूं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रात लगभग 9 बजे अर्पण सिंह अपने आवास संख्या ष्ट-4 में परिवार के साथ विश्राम कर रहे थे, तभी श्री अरुण शुक्ला (पूर्व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी), बलजीत (वर्तमान चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी), प्रतीक यादव सहित अन्य पांच लोग उनके घर पर पहुंचे। नशे में धुत इन लोगों ने जबरन दरवाजा खोलने की कोशिश की और न खोलने पर गालियाँ देते हुए दरवाजे को तोड़ने की धमकी दी।

अर्पण सिंह के मुताबिक, उनके घरेलू सहायक राहुल दिवाकर ने जब दरवाजा खोला, तो आरोपियों ने उन्हें जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया। आरोप है कि शराब पीने के लिए पैसे माँगे गए और इनकार पर आरोपियों ने बिस्तर पर लेटने की कोशिश की। विरोध करने पर राहुल को बेल्ट की बकल से मारा गया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई।

चोरी का भी आरोप, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

घटना के दौरान अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इसी दौरान अर्पण सिंह के अनुसार, उनके बेड के पास रखे नकद पैसे और एक मोबाइल फोन भी चोरी कर लिया गया। कॉलोनी में मौजूद अन्य अधिकारीगण भी शोर-शराबा सुनकर बाहर निकल आए। इस पूरी घटना की रिकॉर्डिंग पास के आवास पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो चुकी है।

पुलिस में शिकायत, पुराने मामलों का भी जिक्र

इस घटना की जानकारी मिलते ही सहायक अभियंता श्री अतुल राय ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अर्पण सिंह व उनके सहायक को स्वरूप नगर थाने ले जाकर प्राथमिकी दर्ज करवाई। साथ ही यह भी बताया गया कि उक्त आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी मारपीट और दुर्व्यवहार के मामले थाना नजीराबाद में दर्ज हैं।

अधिकारी कॉलोनी में सुरक्षा पर सवाल

इंजीनियर संघ अध्यक्ष सीबी पांडे ने कहा कि यह घटना अधिकारी कॉलोनी जैसी सुरक्षित मानी जाने वाली जगह में हुई, जिससे केडीए अधिकारियों और इंजीनियरों में डर और असुरक्षा की भावना फैल गई है। अर्पण सिंह ने इस संबंध में उपाध्यक्ष, कानपुर विकास प्राधिकरण को पत्र सौंपकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

ट्रक में कपड़ों में छिपाकर पटना ले जाई जा रही शराब पकड़ी गई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। एसजीएसटी सचल दल इकाई ने सात जुलाई की सुबह गाड़ी पकड़ी थी। गुरुवार को भौतिक सत्यापन में खुलासा हुआ।

दिल्ली से कपड़ों में छिपाकर ट्रक से पटना ले जाई जा रही शराब एसजीएसटी विभाग की सचल दल इकाई की पकड़ ली।

टीम ने गुरुवार को शराब की 1296 शीशियां आबकारी विभाग के अफसरों को सौंप दी। एसजीएसटी की सहायक आयुक्त शिवानी सिंह ने बताया कि सात जुलाई की सुबह वह वाणिज्यकर अधिकारी अंजना सिंह के साथ पीएसी रोड चकेरी के पास वाहनों की जांच कर रहीं थीं।

इस बीच ट्रक नंबर एनएल 01 एएच 3728 को रोका तो चालक ने बताया कि गाड़ी में होजरी के कपड़े हैं। कई ई-वे बिल और 50 से ज्यादा बिल्टियां दिखाईं। कुछ में गड़बड़ी मिलने के बाद वाहन को लखनपुर स्थित कार्यालय जांच के लिए ले गए।

गुरुवार को वाहन में लदे सामान का भौतिक सत्यापन कराते समय शराब की पेटियां मिलीं। इसमें 180 एमएल की स्थानीय शराब की 1296 शीशियां मिलीं हैं।

शराब आबकारी अफसरों सौंप दी गई हैं। सामान के सत्यापन के बाद ही कर चोरी का आकलन किया जा सकेगा।

सेंट मैरी कॉन्वेंट हाई स्कूल में दो दिवसीय मॉडल संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन का भव्य आयोजन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सेंट मैरी कॉन्वेंट हाई स्कूल ने जस्टिस पीस इंटीग्रिटी ऑफ क्रिएशन (जेपीआईसी) समूह के सहयोग से 9 और 10 जुलाई 2025 को दो दिवसीय मॉडल संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (एमयूएन) का भव्य आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत एक गंभीर प्रार्थना से हुई, जिसमें आयोजन की सफलता के लिए आशीर्वाद मांगा गया। इसके बाद एमयूएन समन्वयक ने स्वागत भाषण देते हुए सभी प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और आत्मविश्वासी, जागरूक और ज़िम्मेदार व्यक्तित्व निर्माण में एमयूएन की भूमिका पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि, लखनऊ की अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती प्रिया सक्सेना ने अपने प्रेरक संबोधन में युवाओं को आलोचनात्मक सोच, निर्भीक वक्तव्य और सम्मानपूर्वक सहयोग के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने वैश्विक शांति, न्याय और स्थिरता के निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका को रेखांकित किया। इसके पश्चात स्कूल प्रबंधक सिस्टर सरिता द्वारा सम्मेलन की औपचारिक शुरुआत की गई, जिससे समिति सत्रों और राजनयिक कार्यवाही की प्रक्रिया आरंभ हुई।

दो दिवसीय सम्मेलन का समापन समारोह एक भव्य आयोजन के रूप में सामने आया, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के प्रतिनिधियों ने बीते दिनों में अर्जित कूटनीति, वाद-विवाद और वैश्विक समझ की भावना का उत्सवपूर्वक प्रदर्शन किया। शोध, संवाद, सार्वजनिक भाषण और नेतृत्व में उत्कृष्टता दिखाने वाले प्रतिनिधियों को विशेष पुरस्कार और सम्मान प्रदान किए गए। हर समिति से सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि, उच्च प्रशंसा, विशेष उल्लेख और सर्वश्रेष्ठ विद्यालय प्रतिनिधिमंडल जैसी श्रेणियों में पुरस्कृत किया गया।कार्यक्रम में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने औपचारिक माहौल में उल्लास का संचार किया। अंत में महासचिव और महानिदेशक ने आभार ज्ञापन और आशा के संदेश के साथ सम्मेलन का समापन किया, जिसमें उन्होंने युवाओं से वास्तविक जीवन में भी शांति, समझ और वैश्विक सहयोग को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

घर से भागकर दिल्ली जा रही दो नाबालिग लड़कियाँ बरामद

» आरपीएफ कानपुर सेंट्रल द्वारा रेस्क्यू, चाइल्डलाइन को सौंपी गई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। आरपीएफ कानपुर सेंट्रल ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए घर से भागकर दिल्ली जा रही दो नाबालिग लड़कियों को सुरक्षित रेस्क्यू किया और उन्हें चाइल्डलाइन को सुपुर्द किया।दिनांक 10/07/2025 को हेल्पलाइन प्रयागराज से सूचना प्राप्त हुई कि गाड़ी संख्या 12561 (उत्तर भारत एक्सप्रेस) से दो नाबालिग लड़कियाँ घर से भागकर दिल्ली की ओर जा रही हैं। सूचना मिलते ही आरपीएफ कानपुर सेंट्रल के जवानों ने सतर्कता दिखाते हुए ट्रेन के कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर आगमन के समय जनरल कोचों की गहन तलाशी ली।तलाशी के दौरान दोनों लड़कियाँ एक जनरल कोच में बैठी मिलीं।

उन्हें आरपीएफ पोस्ट लाकर पूछताछ की गई, जिसमें एक लड़की ने अपना नाम रानी कुमारी (उम्र 17 वर्ष) और दूसरी ने गूंजा कुमारी (उम्र 13 वर्ष) बताया।दोनों ने बताया कि वे पारिवारिक कारणों से नाराज़ होकर घर से निकली हैं और दिल्ली जा रही थीं।आरपीएफ द्वारा तुरंत चाइल्डलाइन टीम को आरपीएफ पोस्ट पर बुलाया गया और विधिक प्रक्रिया के तहत दोनों बच्चियों को उनकी देखरेख में अग्रिम कार्रवाई हेतु सुपुर्द कर दिया गया।आरपीएफ का यह त्वरित और संवेदनशील कदम बच्चों की सुरक्षा और पुनर्वास की दिशा में एक प्रशंसनीय पहल है।

सावन का आज पहला दिन, जानिए किस मुहूर्त में करें भगवान शिव की पूजा

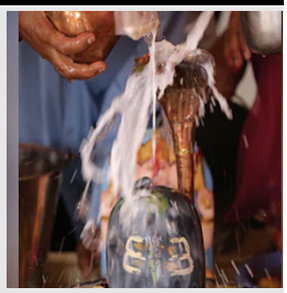

आज से भगवान शिव की पूजा अर्चना के लिए समर्पित महीना सावन अब शुरू हो गया है।और फिर श्रावण मास का हर दिन, विशेष रूप से सावन के सोमवार को भगवान शिव की खास पूजा उपासना करने से जीवन की हर समस्या का निवारण भी मिलता है।और आपको ये भी बता दें कि आज सावन के पहले दिन महादेव की पूजन के लिए 4 मुहूर्त हैं, जिसमें आप पूजा करके उनकी कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

पहला पूजन मुहूर्त सुबह 4 बजकर 16 मिनट से लेकर सुबह 5 बजकर 04 मिनट तक है।

और फिर दूसरा पूजन का मुहूर्त सुबह 8 बजकर 27 मिनट से लेकर सुबह 10 बजकर 06 मिनट तक रहेगा।

साथ ही तीसरा पूजन मुहूर्त आज दोपहर 12 बजकर 05 मिनट से लेकर 12 बजकर 58 मिनट तक ही रहेगा।

और चौथा मुहूर्त आज शाम 7 बजकर 22 मिनट से लेकर 7 बजकर 41 मिनट तक रहेगा।

साथ ही सूर्योदय से पहले उठ जाएं, फिर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें।और फिर अब आप भगवान शिव का स्मरण करें।

फिर इसके बाद शिवलिंग या भगवान शिव की प्रतिमा को पंचामृत से स्नान कराएं। और फिर फिर चंदन, फूल, बेलपत्र, और धतूरा चढ़ाएं।

और फिर इसके बाद धूप और दीप भी जलाएं। साथ ही नैवेद्य चढ़ाएं और आरती भी करें।

सम्पादकीय

कमियां दूर कर लाभ का हो विस्तार

इसमें दो राय नहीं कि पिछले एक दशक में प्रौद्योगिकी ने आम भारतीय के जीवन को सहज-सरल बनाने में निर्णायक भूमिका निभायी है। आज तमाम तरह की सुविधाओं को हासिल करने के लिये उसे दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। अनेक सेवाएं एक क्लिक के साथ उसकी मुट्ठी में होती हैं। दरअसल, डिजिटल इंडिया की महत्वाकांक्षी पहल नरेंद्र मोदी सरकार के दौरान वर्ष 2015 में शुरू की गई थी। जिसका मकसद रोजाना व्यवहार में सामने आने वाली जटिलताओं को दूर करके जीवन को आसान बनाना था। निस्संदेह, पिछले एक दशक में इस महत्वाकांक्षी परियोजना ने कई प्रकार से नागरिकों को सशक्त बनाने में निर्णायक भूमिका निभायी है। विशेष रूप से डिजिटल भुगतान आज पूरे देश में अपरिहार्य हो गए हैं। इससे जुड़े आंकड़े पूरी दुनिया को चौंका रहे हैं। इस वर्ष अप्रैल में लगभग 25 लाख करोड़ रुपये के यूपीआई लेन-देन किए गए हैं।

इन यूपीआई लेनदेन की संख्या करीब 1,860 थी। वर्ष 2023 में भारत ने वैश्विक रीयल-टाइम लेनदेन का 49 फीसदी हासिल किया। जिसमें 46 करोड़ लोग और 6.5 करोड़ व्यापारी यूपीआई का उपयोग कर रहे थे। निस्संदेह, शासन के विभिन्न क्षेत्रों में भी डिजिटल उपयोग में खासी प्रगति हुई है। जिससे व्यवस्था अधिक पारदर्शी और नागरिकों के हितों के अनुकूल हो गई है। इस डिजिटल क्रांति के चलते स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बैंकिंग और अन्य सेवाओं तक नागरिकों की पहुंच आसान हुई है। डिजिटल क्रांति से जुड़ी तमाम चुनौतियों के अलावा अभी देश में डिजिटल डिवाइड की समस्या बनी हुई है। जिसे यथाशीघ्र पाटने की जरूरत है। हालांकि, इस दिशा में आशातीत प्रगति भी हुई है, लेकिन अभी इस दिशा में बहुत कुछ करने के लिये चरणबद्ध प्रयासों की सख्त जरूरत है। यह चुनौती ग्रामीण भारत में अधिक नजर आती है। जहां इंटरनेट सेवाओं और मोबाइलों की पहुंच शहरों के मुकाबले कम है। जाहिर है, जब देश के हर व्यक्ति तक डिजिटल क्रांति का लाभ पूरी तरह नहीं पहुंच पाएगा, इस क्रांति के लक्ष्य अधूरे ही रहेंगे।

निश्चित रूप से देश में स्वास्थ्य, शिक्षा, बैंकिंग आदि सेवाओं में जो व्यापक सुधार आया है, उसका लाभ हर नागरिक तक पहुंचना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर देश में डिजिटल डिवाइड की खाई को पाटने की दिशा में मिशन के रूप में प्रयास जारी हैं। लेकिन हाल में हुए कुछ सर्वेक्षणों के निष्कर्ष चिंता बढ़ाने वाले हैं। इसमें शामिल व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण - दूरसंचार, 2025 का उल्लेख करना जरूरी हो जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के केवल 57.2 फीसदी स्कूलों में कार्यात्मक कंप्यूटर ही उपलब्ध हैं। वहीं दूसरी ओर 53.9 प्रतिशत स्कूलों में ही इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। देश के विपक्षी दल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारत नेट परियोजना के तहत कुल 6.55 लाख गांवों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के लिये लक्षित किया जाना था, लेकिन अभी तक उसमें दो-तिहाई गांवों को कवर किया जाना अभी बाकी है। वहीं दूसरी ओर देश की इस सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी ने बीएसएनएल की दुर्दशा को भी उजागर किया है, जो एक के बाद एक पुनरुद्धार पैकेज मिलने के बावजूद टेलीकॉम क्षेत्र की निजी कंपनियों के खिलाड़ियों से पीछे है। निस्संदेह, मोदी सरकार के पास डिजिटल इंडिया की प्रगति के लिये अपनी पीठ थपथपाने के लिये कई कारण हैं, लेकिन उसे कमियों और अंतरालों पर ध्यान देने की सलाह दी जाएगी। निश्चित रूप से डिजिटल पारिस्थितिकीय तंत्र के भीतर व्याप्त असमानताओं को दूर किए बिना विकसित भारत के लक्ष्य हासिल करना है।

बड़े धार्मिक आयोजनों का वैज्ञानिक प्रबंधन जरूरी

विश्वनाथ सचदेव

त्रिभाषा फार्मूले का विरोध करने वालों को भी यह समझना होगा कि आवश्यकता इसके ईमानदार क्रियान्वयन की है। वर्ष 1968 की राष्ट्रीय शिक्षा-नीति में इस फार्मूले को स्वीकारा गया था। तब यह कहा गया था कि तीसरी भाषा के रूप में उत्तर वाले दक्षिण की किसी भाषा को सीखेंगे और दक्षिण वाले उत्तर की भाषा हिंदी को। पर उत्तर वालों ने यहां ईमानदारी नहीं दिखाई। उन्होंने तीसरी भाषा के रूप में दक्षिण भारत की किसी भाषा के बजाय मुख्यत: संस्कृत को चुना।

आपातकाल में हमारे संविधान की प्रस्तावना में दो शब्द जोड़े गये थे- पहला 'पंथ निरपेक्षता' और दूसरा समाजवाद। संविधान जब तैयार किया जा रहा था तब भी इन शब्दों की आवश्यकता की चर्चा हुई थी, पर तब हमारे संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि यह दोनों विचार संविधान में अन्यत्र स्पष्ट रूप से जुड़े हुए हैं, अत: इन्हें अलग से प्रस्तावना में जोड़ना आवश्यक नहीं है। जब आपातकाल के दौरान इन्हें जोड़ा गया तो तर्क यह दिया गया था कि यह दोनों विचार प्रमुखता के साथ रेखांकित होने चाहिए। संविधान के 42वें संशोधन से इसे रेखांकित कर दिया गया।

बाद की जनता पार्टी की सरकार ने भी इस बात को मान लिया। पचास साल बाद यह विवाद फिर सिर उठा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार को यह लग रहा है कि इन दोनों शब्दों को प्रस्तावना से हटा कर अब अपनी विचारधारा को संविधान में शामिल किया जा सकता है। और यदि संख्या की दृष्टि से फिलहाल संविधान में प्रयुक्त संशोधन नहीं हो सकता तो भी देश में अपने विचार के समर्थन में वातावरण बनाने का यह अच्छा मौका है।

ऐसी ही एक कोशिश महाराष्ट्र में भी हो रही है- राज्य की भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने केंद्र की नयी शिक्षा-नीति को लागू करने की प्रक्रिया की शुरुआत करते हुए यह निर्णय लिया था कि राज्य में त्रिभाषा फार्मूले को लागू किया जाये। इस फार्मूले के अनुसार राज्य के स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा तक के बच्चों को मराठी और अंग्रेजी के अलावा तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ाई जानी थी। विपक्ष, विशेषकर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को, सरकार के इस निर्णय का विरोध करके अपनी जमीन को मज़बूत करने का अवसर दिखाई दिया। उद्धव ठाकरे ने घोषणा कर दी कि उनकी पार्टी इस निर्णय को किसी भी कीमत पर लागू नहीं होने देगी। लगभग दो दशक पहले बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना को छोड़कर अपना स्वयं का राजनीतिक दल बनाने वाले उनके भतीजे राज ठाकरे को भी इस स्थिति में एक अवसर दिखाई दिया और उन्होंने भी घोषणा कर दी कि राज्य सरकार की ‘मराठी विरोधी नीति’ को लागू नहीं होने दिया जायेगा। कांग्रेस और शरद पवार की पार्टी भी ठाकरे बंधुओं के आह्वान के साथ जुड़ गयीं। एक बार फिर राज्य में मराठी अस्मिता के नाम पर माहौल बनने लगा। स्थिति को सुधारने के लिए राज्य सरकार ने यह घोषणा की कि पहली से पांचवीं तक तीसरी भाषा के रूप में हिंदी अनिवार्य रूप से नहीं पढ़ाई जायेगी, यदि बच्चे किसी अन्य भाषा को पढ़ना चाहते हैं तो उनके लिए स्कूलों में इसकी व्यवस्था की जायेगी, बशर्ते किसी अन्य भाषा को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या कम से कम बीस हो। सरकार को लगा था कि इस घोषणा से स्थिति संभल जायेगी। पर ऐसा हुआ नहीं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उबाठे) और राज ठाकरे की मनसे, दोनों किसी भी कीमत पर इस अवसर को हाथ से जाने नहीं देना चाहते थे। तय हुआ कि पांच जुलाई को राज्य का समूचा विपक्ष मराठी भाषा और मराठी अस्मिता की रक्षा के नाम पर केंद्र के निर्देश से काम करने वाली महाराष्ट्र सरकार के निर्णय के विरोध में आंदोलन करेगा।बाजी हाथ से निकलते देख कर राज्य सरकार ने हिंदी की पढ़ाई वाला अपना कदम वापस लेने का निर्णय किया। अब एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गयी है जो राज्य के स्कूलों में त्रिभाषा फार्मूले को लागू किये जाने के बारे में अध्ययन करके अपना सुझाव देगी।

पहाड़ों की संवेदनशीलता को समझना भी जरूरी

हिमाचल में जल-रौद्र

पंकज चतुर्वेदी

गंभीरता से देखें तो इन आपदाओं को बुलाने में इन्सान की भूमिका भी कम नहीं है। दुनियाभर के शोध कह रहे थे कि हिमालय पर्वत जैसे युवा पहाड़ पर पानी को रोकने, जलाशय बनाने और सुरंगें बनाने के लिए विस्फोटक के इस्तेमाल के अंजाम अच्छे नहीं होंगे।

सुंदर, शांत, सुरम्य हिमाचल प्रदेश में इन दिनों कुदरत ने रौद्र रूप धारण किया है। छोटे से राज्य का बड़ा हिस्सा अचानक आई तेज बरसात और जमीन खिसकने से त्रस्त है तो जहां आपदा आई नहीं वहां के लोग भी आशंका में जी रहे हैं। आषाढ़ में मानसून की पहली बौछार के साथ ही कई जिलों, विशेषकर कुल्लू और धर्मशाला में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। इससे कई जगहों पर भूस्खलन हुआ है। कुल्लू और धर्मशाला जिलों में अनेक जगह बादल फटने की घटनाएं हुईं, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई है और अनेक लापता हैं। पिछले एक हफ्ते में कम से कम 30 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। कांगड़ा के खनियारा क्षेत्र में इंदिरा हाइड्रो प्रोजेक्ट के पास प्लैश फ्लड में 20 मजदूर बह गए, जिनमें से कुछ के शव बरामद हुए हैं, बाकी की तलाश जारी है।

कुल्लू की सेंज घाटी में तमाम पर्यटक फंसे हुए हैं। यहां बादल फटने से एक ही परिवार के तीन लोग बह गए। धर्मशाला-चतरो-गगल मार्ग और अपर शिमला क्षेत्र में त्यूणी-हाटकोटी मार्ग जैसे कई प्रमुख मार्ग भूस्खलन के कारण क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अभी तो सावन-भादों आगे हैं। दुखद यह कि वैज्ञानिकों द्वारा इस बारे में दी गई ढेर सारी चेतावनियां फाइलों में बंद हैं। सरकारी महकमे अपने ढर्रे पर काम कर रहे हैं जबकि पहाड़ जलवायु परिवर्तन के विविध कुप्रभावों से ग्रस्त हैं।इसी साल 14-15 फ़रवरी को आईआईटी, बॉम्बे में सम्पन्न दूसरे इंडियन क्रायोस्फीयर मीट में आईआईटी रोपड़ के वैज्ञानिकों ने एक शोधपत्र प्रस्तुत कर बताया था कि हिमाचल राज्य का 45 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी आपदाओं के प्रति संवेदनशील है। 5.9 डिग्री और 16.4 डिग्री के बीच औसत ढलान वाले और 1,600 मीटर तक की ऊंचाई वाले क्षेत्र विशेष रूप से भूस्खलन और बाढ़ दोनों के लिए प्रवण हैं। इस बैठक में दुनियाभर के लगभग 80 ग्लेशियोलॉजिस्ट, शोधकर्ता और वैज्ञानिक शामिल हुए। इतनी स्पष्ट चेतावनी के बावजूद न समाज चेता और न ही सरकार।नेशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी, इसरो द्वारा तैयार देश के भूस्खलन नक्शे में हिमाचल प्रदेश के सभी 12 जिलों को बेहद संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है। देश के कुल 147 ऐसे जिलों में संवेदनशीलता की दृष्टि से मंडी को 16वें स्थान पर रखा गया है। यह आंकड़ा और चेतावनी फाइल में सिसकती रह गई।

यही हाल शिमला का हुआ जिसका स्थान इस सूची में 61वें नम्बर पर दर्ज है। प्रदेश में 17,120 स्थान भूस्खलन संभावित क्षेत्र अंकित हैं, जिनमें से 675 बेहद संवेदनशील मूलभूत सुविधाओं और घनी आबादी के करीब हैं। भूस्खलन की दृष्टि से किन्नौर जिला को सबसे खतरनाक माना जाता है। बीते साल भी किन्नौर के बटसेरी और न्यूगलसरी में दो हादसों में ही 38 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद किन्नौर जिला में भूस्खलन को लेकर भारतीय भूगर्भ सर्वेक्षण के विशेषज्ञों के साथ-साथ आईआईटी, मंडी व रुड़की के विशेषज्ञों ने अध्ययन किया है।हिमाचल सरकार की डिज़ास्टर मैनेजमेंट सेल द्वारा प्रकाशित एक 'लैंडस्लाइड हैज़ार्ड रिस्क असेसमेंट' अध्ययन ने पाया कि बड़ी संख्या में हाइड्रोपावर स्थल पर धरती खिसकने का खतरा है। लगभग 10 ऐसे मेगा हाइड्रोपावर प्लांट, स्थल मध्यम और उच्च जोखिम वाले भूस्खलन क्षेत्रों में स्थित हैं।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से सर्वेक्षण कर भूस्खलन संभावित 675 स्थल चिन्हित किए हैं।

एसडीएम के सख्त निर्देश के बाद भी नहीं हटी हाईटेंशन लाइन!

- किसान का खेत बना करंट का जाल
- एक महीने से किसान विद्युत विभाग के दफ्तर के काट रहा था चक्कर
- नवागत एसडीएम ने मामले को गंभीरता से लिया तो जागी थी उम्मीद

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। ककवन ब्लॉक के एक मेहनतकश किसान की ज़िंदगी इस समय दोहरी मार झेल रही है। एक तरफ खेत में गिरी 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन जान का खतरा बनी हुई है, और दूसरी तरफ विद्युत विभाग की घोर लापरवाही उसकी आजीविका छीन रही है। पीड़ित किसान ककवन ब्लॉक में रोजगार सेवक के पद पर भी कार्यरत है। वह पिछले एक माह से विद्युत विभाग के लाइनमैन, जेई और एसडीओ दफ्तर के चक्कर काट रहा था। मगर हर बार उसे केवल आश्वासन मिला और कार्रवाई शून्य।

थक-हारकर किसान ने बिल्हौर के नवागत उप जिलाधिकारी संजीव दीक्षित से मुलाकात की और अपना दुख साझा किया।

एसडीएम ने तत्काल गंभीरता दिखाई और खुद चौबेपुर के एक्सईएन को फोन कर आदेश दिया कि लाइन तुरंत हटाई जाए।लेकिन हैरानी की बात ये है कि एक सप्ताह गुजर जाने के बाद भी हाईटेंशन तार खेत में पड़ा हुआ है।

पीड़ित किसान सीलू पाल ने स्वराज इंडिया से बातचीत में कहा अब आप ही बताइए,एक महीने से कोई सुन नहीं रहा। क्या किसी की मौत का इंतजार कर रहा है बिजली विभाग? खेत एक महीने से खाली पड़ा है, फसल बो नहीं पाए। कभी कभी खेत में करंट की झनझनाहट महसूस होती है।

पीड़ित किसान का खेत खास ककवन गांव के ए.एम. इंटर कॉलेज के पास स्थित है। वहीं मामले में एसडीएम संजीव दीक्षित ने बताया मैं पता करता हूँ अभी तक तार क्यों नहीं हटा।

अब बड़ा सवाल यह है

जब एसडीएम बिल्हौर के स्पष्ट आदेश के बाद भी बिजली विभाग नहीं जागा, तो आम जनता को न्याय कहां मिलेगा? यह मामला विद्युत विभाग का केवल लापरवाही का नहीं, बल्कि जनजीवन की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। प्रशासन को चाहिए कि वह न सिर्फ इस मामले में कार्रवाई करे,बल्कि जिम्मेदार अफसरों से जवाब भी मांगे।

हेयर ड्रेसर की दुकान में दबंगई! गले से चेन तोड़कर फरार हुए हमलावर

- शराब के नशे में धुत युवक ने साथियों के साथ युवक पर बोला हमला
- गले की चेन लूटने के बाद फरार आरोपी, पुलिस कार्रवाई अब तक अधर में

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। हनुमंत विहार थाना क्षेत्र अंतर्गत दासू कुआं चौराहे पर स्थित नारायण हेयर ड्रेसर की दुकान में बीती 9 तारीख की रात एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। नारायण पुरी निवासी राजेश तिवारी जब दुकान में शेविंग करवा रहे थे, तभी बबलू परिहार नाम का युवक शराब के नशे में वहां पहुंचा और दुकान के अंदर गाली-गलौज करने लगा।

राजेश तिवारी द्वारा विरोध करने पर बबलू वहां से चला गया और कुछ वक्त बाद कुछ अज्ञात साथियों के साथ वापस आया। सभी ने मिलकर राजेश तिवारी को दुकान से बाहर खींचा और उनके साथ जमकर मारपीट की। आरोप है कि आरोपियों ने राजेश तिवारी से नशा करने के लिए पैसे भी मांगे और इनकार करने पर गले से चेन तोड़कर फरार हो गए।

घटना की जानकारी पीड़ित ने तत्काल डायल 112 को दी और प्रार्थना पत्र थाना हनुमंत विहार में भी सौंपा। लेकिन खबर लिखे जाने तक किसी प्रकार की प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है।

आरोपी बबलू परिहार

पीड़ित राजेश तिवारी

सूत्रों के मुताबिक बबलू परिहार क्षेत्र में पहले से ही गुंडागर्दी के लिए बदनाम है।

घटना की जानकारी उस्मानपुर चौकी इंचार्ज निशांत कुमार राणा के संज्ञान में है, और कुछ वीडियो भी सामने आए हैं जिनमें पुलिस को मौके पर जांच करते देखा जा सकता है। अब देखना यह है कि पुलिस इस मामले में कब और क्या कार्रवाई करती है।

पानी की टंकी पर चढ़कर महिला ने किया आत्महत्या का प्रयास

» गिरकर हुई घायल, हैलट अस्पताल में भर्ती

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शास्त्री नगर में ऊंचा पार्क पानी की टंकी में चढ़कर एक महिला ने आत्महत्या का प्रयास किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझाने का प्रयास किया, लेकिन वो नीचे गिर गई। कानपुर के शास्त्री नगर में एक महिला ने पानी की टंकी पर चढ़कर आत्महत्या का प्रयास किया, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। हालांकि, महिला नीचे गिरकर घायल हो गई, जिसे हैलट अस्पताल पहुंचाया गया है।मिली जानकारी के अनुसार, शास्त्री नगर में ऊंचा पार्क पानी की टंकी में सुबह नैना नाम की महिला चढ़ गई। वहां से कूद कर आत्महत्या की कोशिश की। आसपास के लोगों ने उसे टंकी पर चढ़े देखा, तो समझने की कोशिश की। तभी मौके पर पहुंचे क्षेत्रीय पार्षद विनोद गुप्ता ने पुलिस को भी सूचना दी। पुलिस ने भी समझने की कोशिश की, लेकिन तब तक यह टंकी में लटक गई और कुछ मिनट में ही नीचे गिर कर घायल हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नैना पत्नी स्व. शुभम आंबेडकर, विजयनगर की निवासिनी है, जिसके पति की मृत्यु दो महीने पहले हो गई थी।

बताया जा रहा है कि उसी कारण से डिप्रेशन में आकर ऊंचा पार्क पानी की टंकी पर चढ़ गई और ऊपर से आत्महत्या करने का प्रयास किया। मौके पर पहुंची काकादेव थाने की फॉर्स ने समझने का प्रयास किया, लेकिन नहीं मानी और ऊपर से कूद गई।

पार्षद ने जनता के सहयोग से उस महिला को हैलट के इमरजेंसी वार्ड में एडमिट करवाया है। साथ ही, उसके परिजनों को सूचित किया है। महिला की हालत अब ठीक है और बातचीत कर रही है। पुलिस परिजनों से जानकारी कर रही है।

निविदा सूचना

कार्यालय नगर पंचायत राजपुर, जनपद कानपुर देहात

पत्रांक-895 न0प0रा0/रा0वि0आ0/ निर्माण कार्य /2025-26 दिनाक- 10.07.2025

समस्त ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत राजपुर के राज्य वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि से वर्ष 2025-20 में निम्नांकित निर्माण कार्यों हेतु सीलबन्द निविदायें दिनाक0-09-24 समय अपरान्ह 02:00 बजे तक आमत्रित की जाती है, जो उसी दिन अपरान्ह 03.00 बजे अधोहस्ताक्षरी द्वारा उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनाक 11-07-25 से 01-04-25 तक निर्धारित मूल्य पर कार्यालय दिवस में प्रात 1000 बजे से साथ 02:00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है। निविदा के साथ 10प्रति. अर्नेष्ट मनी एन0एस0सी0/एफ0डी0आर0/ नकद, जो अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत राजपुर के पदनाम से बधक हो जमा किया जाना अनिवार्य है। सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। किसी एक निविदा अथवा समसा निविदाओं के बिना कारण बताये स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी में निहित है। प्रत्येक निविदादाताओं को निविदा प्रपत्र के साथ आयकर, जी0एस0टी0, हैसीयत, चरित्र, श्रम विभाग (लेबर पंजीयन), अनुभव प्रमाण पत्र आदि प्रपत्र संलग्न किया जाना अनिवार्य है। निविदा स्वीकृत होने की स्थिति में निर्धारित कीमत के स्टाम्प पर इकरारनामा आदि भी दाखिल करना होगा। अन्य जानकारी नियम व शर्ते तथा विस्तृत विवरण कार्यालय नगर पंचायत राजपुर में किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती है. जो सभी निविदादाताओं को मान्य होगी। अवकाश या अन्य किसी कारणवश कार्यालय बन्द होने पर निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी।

क्र.	कार्य का नाम	आगणन धनराशि	10प्रति. (अनेस्ट मनी)	निविदा शुल्क जी0एस0टी0 सहित	कार्यपूर्ण करने की अवधि
1.	नगर पंचायत राजपुर के अन्तर्गत वार्ड नं0 3 अशोक नगर में शीतला माता मन्दिर से लाले गौतम के खेत तक सी0सी0 सडक निर्माण कार्य।	39944706	1994-400	721 00	1 माह
2.	नगर पंचागत राजपुर के अन्तर्गत वार्ड न0 3 अशोक नगर में डा0 चन्द्रशेखर के घर से धवन विश्नोई के घर तक सी0सी0 सड़क एवं नाली निर्माण कार्य।	3223417 7	32234 00	630.00	1 माह
3.	नगर पंचायत राजपुर के अन्तर्गत वार्ड नं0 0 अम्बेडकर नगर में आशा के घर से गठन्नू के पर तक इण्टरलॉकिग सबक एव नाली निर्माण कार्य।	342546 54	34255.00	654.00	1 माह
4.	नगर पंचायत राजपुर के अन्तर्गत वार्ड न0 12 प्रताप नगर में कैलाश के घर से विशम्भर के घर तक सी0सी0 सडक एवं नाली निर्माण कार्य।	575544.00	57554.00	929.00	1 माह
5.	नगर पंचायत राजपुर के विभिन्न वार्डों में सी0सी0 सडक एवं इण्टरलॉकिंग सडक का मरम्मत कार्य।	55012700	5501300 .	99.00	1 माह
6.	नगर पंचायत राजपुर के अन्तर्गत वार्ड नं0 6 अयोध्या नगर में खिल्लू के घेरा से नरायन दुबे की बाउण्ड्रीवाल तक सी0सी0 सडक एवं नाली निर्माण कार्य।	325381 00	325.38.00	633.00	1 माह
7.	नगर पंचायत राजपुर के अन्तर्गत वार्ड न0 12 प्रताप नगर में दीदारू के घर से गुलाम सिंह के घर तक सी0सी0 सडक निर्माण कार्य।	361624.38	3616200	677 00	1 माह

नियम व शर्ते

1 सशर्त निविदाये मान्य नहीं होगी। स्वत ही निरस्त समझी जायेगी।
2 निर्धारित समय के पश्चात प्राप्त किसी भी निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।
3. निकाय द्वारा पंजीयन प्रमाण पत्र एव जी0एस0टी0, पैनकार्ड, हैसीयत, चरित्र प्रमाण आदि सम्बन्धित फर्म/सस्था/कम्पनी/सरकारी समिति के नाग अथवा प्रोपराईटर के नाम, दिये गये फारमेट पर नान-ब्लैकलिस्टिटंग शपथपत्र स्व प्रमाणित प्रति जमा करनी होगी।
4 निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त ठेकेदार को समय-समय पर शासन द्वारा निर्धारित धनराशि के स्टाम्प पेपर पर अपने जाय पर अनुबन्ध निष्पादित करना अनिवार्य होगा।
5 कार्य को विभागीय निर्देशों के अनुसार निर्धारित समयावधि में पूर्ण करना अनिवार्य है निर्धारित अवधि के अन्तर्गत कार्य पूर्ण न करने की स्थिति में नियमानुसार अर्थदण्ड विभाग द्वारा अधिरोपित किया जायेगा।?
6 श्रम विभाग में श्रमिकों के पंजीकरण का प्रमाण पत्र लगाना आवश्यक है।
7 निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी का होगा।
8 उपरोक्त निविदाओं पर यदि किसी को कोई भी आपत्ति हो तो वह 03 दिवस के अन्दर कार्यालय को अवगत कराये अन्यथा 03 दिवस बाद प्राप्त आपत्तिओं को अमान्य समझा जायेगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत राजपुर
कानपुर देहात

अध्यक्ष
नगर पंचायत राजपुर
कानपुर देहात

सिर फोड़कर, गला काटकर की हत्या शव को शौचालय के गड्ढे में छिपाया!

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात/रनिया। कानपुर देहात के रनियां थाना क्षेत्र में हुए 19 वर्षीय युवक आर्यन उर्फ सचिन की सनसनीखेज हत्या के मामले का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। घटना को प्रेम-संबंध और आपसी रंजिश के चलते अंजाम दिया गया था। आरोपी यश शर्मा और अजय प्रताप सिंह सेंगर उर्फ साहिल सेंगर के साथ एक बाल अपचारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

» **रनियां पुलिस ने दो आरोपियों और एक बाल अपचारी को किया गिरफ्तार**

» **मोबाइल और खून से सनी ईट बरामद, प्रेम-संबंध में हत्या की सनसनीखेज वारदात**

पुलिस की पूछताछ में आरोपी यश शर्मा ने कबूल किया कि 1 जुलाई की शाम को वह अपने दो साथियों के साथ रनियां बाजार में था, तभी उसने अपनी महिला मित्र को एक युवक (आर्यन) के साथ बाइक पर जाते देखा। पूछने पर युवती ने आर्यन को अपना मौसेरा भाई बताया।

यश ने जबरन महिला मित्र को अपने साथ चलने को कहा, जिस पर आर्यन से कहासुनी हो गई। इसके बाद यश वहां से चला गया, लेकिन बाद में आर्यन ने उसे फोन कर गालियां दीं।

गुस्से में आकर यश ने अपने साथियों संग आर्यन को एक सुनसान पड़ी सरिया फैक्ट्री में बुलाया। वहां पहले समझाने की कोशिश हुई, लेकिन बहस बढ़ने पर तीनों ने ईंटों से हमला कर आर्यन को घायल कर दिया।

हमलावरों ने ईंट से सिर फोड़ने के बाद कांच की बोतल तोड़कर उसके गले पर वार किया, जिससे आर्यन की मौके पर ही मौत हो गई। शव को छुपाने के लिए पास के एक बंद पड़े शौचालय के गड्ढे (सोकपिट) में डालकर ऊपर से ईंट-पत्थर व पेड़ की पत्तियाँ डाल दी गईं। सूचना पर थाना रनियां पुलिस ने दबिश देकर यश शर्मा, अजय प्रताप उर्फ साहिल और एक नाबालिग को 9 जुलाई की रात को गिरफ्तार कर लिया। यश शर्मा की निशानदेही पर खून से सनी ईंट बरामद की गई, जबकि अजय प्रताप के कब्जे से मृतक का मोबाइल फोन मिला। तीनों को न्यायालय में पेश किया गया है।

छह महीने में ढही लाखों की दीवारें, डीपीआरओ चुप्पी पर उठे सवाल

» **स्वराज इंडिया की खबर के बाद जांच की बात तो हुई, कार्रवाई अब तक नदारद**

» **मंदिरों के पास फेंका जा रहा कचरा, टूटी दीवारें भ्रष्टाचार की गवाही दे रहीं**

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा विकासखंड की ग्राम पंचायत टोडरपुर में लाखों रुपये की लागत से बने आरआरसी केंद्र की जर्जर हालत और ढहती दीवारों पर जब स्वराज इंडिया ने पहली बार सवाल उठाए थे,

तो प्रशासन हरकत में आया और जांच की बात कही गई थी। लेकिन अब सामने आ रहा है कि डीपीआरओ विकास पटेल की ओर से इस पूरे प्रकरण को लेकर गंभीरता नहीं बरती जा रही है। महज छह महीने में ही दीवारों का गिर जाना, निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

ग्रामीणों का कहना है कि शुरुआत से ही निर्माण सामग्री घटिया थी, लेकिन शिकायतों के बावजूद किसी ने संज्ञान नहीं लिया। अब जब मीडिया ने मामला उठाया, तो सिर्फ जांच के नाम पर खानापूरी हो रही है, और कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

आरआरसी केंद्र के संचालन के अभाव में गांव का कचरा शिव मंदिर, दुर्गा मंदिर और सार्वजनिक स्थलों पर फेंका जा रहा है। इससे न केवल धार्मिक स्थलों का अपमान हो रहा है, बल्कि गांव में गंदगी और बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है।

जिलाधिकारी द्वारा आरआरसी केंद्रों के संचालन और निगरानी के सख्त निर्देश जारी किए गए थे, पर टोडरपुर में हकीकत बिल्कुल विपरीत है।

ब्लॉक सचिव का प्रभार देख रहे एडीओ पंचायत ने भी मामले में कोई रुचि नहीं दिखाई। फिलहाल, जनता सवाल कर रही है क्या दीवारों के साथ जवाबदेही भी ढह जाएगी?

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com कानपुर देहात कानपुर,शुक्रवार 04 जुलाई, 2025 09

छह महीने में ढह गईं आरआरसी की दीवारें, अब जांच के घेरे में जिम्मेदार

» **स्वराज इंडिया की खबर का असर, टोडरपुर आरआरसी केंद्र की गुणवत्ता पर उठे सवाल**

» **टोडरपुर पंचायत में लाखों की लागत से बना केंद्र बना भ्रष्टाचार की नजीर, प्रशासन ने लिया संज्ञान**

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा विकासखंड की ग्राम पंचायत टोडरपुर में लाखों रुपये की लागत से बने एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र (आरआरसी) की जर्जर स्थिति को लेकर स्वराज इंडिया न्यूज़ में प्रकाशित खबर का बड़ा असर हुआ है। अब तक अनदेखी कर रहे प्रशासन की नींद टूटी है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

महज छह महीने में आरआरसी केंद्र की दीवारों का टूट जाना निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं की ओर इशारा कर रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि निर्माण के दौरान ही सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठे थे, लेकिन किसी ने कोई कार्रवाई नहीं की। अब जब पूरा ढांचा कमजोर हो चुका है और दीवारें गिरने लगी हैं, तब प्रशासन हरकत में आया है।

डीपीआरओ विकास पटेल का बयान

स्वराज इंडिया न्यूज द्वारा उठाए गए मामले को संज्ञान में लिया गया है। निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराई जा रही है। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

स्थानीय नागरिकों और मंदिरों के पुजारियों ने बताया कि केंद्र के संचालन के अभाव में गांव का कचरा शिव मंदिर, दुर्गा मंदिर और सार्वजनिक स्थलों के पास फेंका जा रहा है। इससे न सिर्फ आस्था के स्थानों का अपमान हो रहा है, बल्कि पूरे गांव में गंदगी फैल रही है। नालियां जाम हो चुकी हैं और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है।

खास बात यह है कि संबंधित एडीओ पंचायत के पास ब्लॉक सचिव का अतिरिक्त चार्ज भी है, बावजूद इसके निर्माण की निगरानी और संचालन दोनों ही नजरअंदाज किए गए।

डीएम द्वारा आरआरसी केंद्रों के संचालन के सख्त निर्देश जारी किए गए थे, पर जमीनी स्तर पर स्थिति इससे उलट है। ग्रामीणों की शिकायतों और मीडिया रिपोर्ट के बाद प्रशासन ने अब मामले को गंभीरता से लिया है और जांच के आदेश दे दिए हैं।

अधूरा पड़ा आर आर सी सेंटर टूटीं दीवारें खोल रहीं भ्रष्टाचार की पोल

कमजोर निर्माण कार्य के कारण छः महीने में ही टूट गई दीवारें

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

» बल्हारामऊ-देवीपुर मार्ग पर हादसे रोकने के लिए ग्रामीणों की गुहार

» पीडब्ल्यूडी को सूचना देने के बाद भी अफसरों ने नहीं की सुनवाई

सड़क किनारे झाड़ियां बनीं जानलेवा

हादसों का लगा है सिलसिला

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा क्षेत्र के बल्हारामऊ-देवीपुर-चांदपुर मार्ग पर सड़क किनारे खड़ी झाड़ियां अब राहगीरों के लिए खतरा बन चुकी हैं। सामने से आने वाले वाहनों की दृश्यता पूरी तरह खत्म हो चुकी है, जिससे लगातार हादसों की आशंका बनी रहती है।

स्थानीय निवासी अशोक सिंह ने बताया कि सड़क किनारे विलायती झाड़ियों और पेड़ों की भरमार हो गई है, जो सड़क तक फैल चुकी हैं।

दो दिन पहले ही एक बाइक सवार युवक विपरीत दिशा से आ रहे वाहन को न देख पाने के कारण सड़क की पटरी से नीचे गिर गया, गनीमत रही कि उसे गंभीर चोट नहीं आई।

ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर पीडब्ल्यूडी विभाग को कई बार सूचना दी जा चुकी है, लेकिन अभी तक किसी भी अधिकारी ने स्थल पर आकर निरीक्षण करना जरूरी नहीं समझा। ग्रामीणों ने मांग की है कि सड़क किनारे उगी इन जानलेवा झाड़ियों को तत्काल हटाया जाए, ताकि कोई बड़ा हादसा न हो।

सतयुग से बरकरार रहस्यः कौन करता है सुबह सबसे पहले शिवलिंग की पूजा?

» कानपुर देहात के बाणेश्वर महादेव मंदिर से जुड़ी है अद्भुत मान्यता

» मुस्लिम दरोगा की भी जागी श्रद्धा, खुद देखा शिवलिंग पर सुबह की पूजा

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। श्रावण मास की शुरुआत के साथ ही भगवान भोलेनाथ की आराधना का पर्व शुरू हो गया है। लेकिन कानपुर देहात के बनीपारा गांव में स्थित बाणेश्वर महादेव मंदिर एक रहस्यमयी परंपरा के कारण सुर्खियों में रहता है। मान्यता है कि मंदिर खुलने से पहले ही हर रोज शिवलिंग पर पूजा हो जाती है, लेकिन यह पूजा करता कौन है आज तक इसका रहस्य बना हुआ है।स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मंदिर सतयुग काल में असुरराज बाणासुर ने बनवाया था, और उसकी पुत्री ऊषा प्रतिदिन सुबह सबसे पहले पूजा करती थी। तब से अब तक हर सुबह मंदिर के पट खुलने से पहले शिवलिंग पर ताजगी से सजी पूजा देखी जाती है, जिससे लोगों की आस्था और रहस्य दोनों गहरे होते जा रहे हैं।

करीब 15 साल पहले जब एक मुस्लिम दरोगा को यहां मेले की चौकी का जिम्मा सौंपा गया था, तो उन्होंने इस बात पर भरोसा नहीं किया। उन्होंने खुद मंदिर की सफाई कराकर पट बंद करवाए और सुबह खुद मौजूद रहकर पट खुलवाए। लेकिन जब शिवलिंग पर पहले से ही पूजा सजी हुई मिली तो वह भी हैरान रह गए और उसी पल उन्होंने भोलेनाथ पर जल चढ़ाकर आशीर्वाद लिया।

श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक बना यह मंदिर सावन और महाशिवरात्रि पर विशाल मेलों का केंद्र बनता है, जहां हजारों श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं।

श्रावण माह में सड़क किनारे मांस बिक्री पर प्रतिबंध की मांग

हिन्दू संगठनों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

स्वराज इंडिया संवाददाता

निंदूरा (बाराबंकी)। **हिन्दू संगठनों ने श्रावण माह की पवित्रता बनाए रखने की मांग को लेकर शुक्रवार को उपजिलाधिकारी फतेहपुर कार्तिकेय सिंह के नाम तहसीलदार वैशाली अहलावत को ज्ञापन सौंपा। विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल के प्रतिनिधियों ने ज्ञापन के माध्यम से आग्रह किया कि श्रावण माह के दौरान सड़क किनारे खुलेआम मांस की बिक्री पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाए।**

ज्ञापन में बताया गया कि 11 जुलाई से प्रारंभ हुए श्रावण मास के दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में कांवरिए जल चढ़ाने के लिए शिवालयों की ओर निकलते हैं। ऐसे में कई स्थानों पर मीट विक्रेता सड़क किनारे जानबूझकर मांस बेचते हैं और कांवड़ियों पर आपत्तिजनक टिप्पणियाँ कर उन्हें अपमानित करते हैं। इससे धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं, जिसे विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल ने गंभीरता से लेते हुए विरोध दर्ज कराया।हिन्दू संगठनों ने कुर्सी, बड्डूपुर और घुँघटेर थाना क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखकर सड़क किनारे मांस बिक्री को तत्काल रोकने की मांग की। इस दौरान बजरंग दल के पूर्व जिला सह संयोजक उमेश यादव, विहिप अध्यक्ष अमित कुमार, प्रखंड संयोजक मुकेश सिंह, सह संयोजक आशीष सोनी समेत कई कार्यकर्ताओं ने उपस्थिति दर्ज कराई।उपजिलाधिकारी ने संगठनों को आश्वासन दिया कि सभी संबंधित थाना प्रभारियों को निर्देशित कर कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी। हिन्दू संगठनों ने प्रशासन से श्रावण माह की गरिमा बनाए रखने हेतु ठोस कदम उठाने की अपील की है।

समोसे के पैसे मांगने पर दुकानदार पर हमला

तीन नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी।निंदूरा क्षेत्र के टड़वा निवासी कृष्ण कुमार पर खौलता तेल फेंकने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। भगौली तीर्थ के समीप संगम चौराहे पर चाट-समोसे की दुकान चलाने वाले कृष्ण कुमार ने बताया कि कुछ लोग समोसा खाकर बिना पैसे दिए जाने लगे।

जब उन्होंने पैसे मांगे, तो विवाद हो गया और आरोपियों ने दुकान में रखा खौलता तेल उन पर फेंक दिया। घटना में दुकानदार गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार ने जानकारी दी कि सीतापुर जनपद के थाना रामपुर कलां अंतर्गत ग्राम दहवा निवासी सुरेंद्र, विकास और रामू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने पीड़ित को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया है, वहीं स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर आक्रोश व्याप्त है।

लोधेश्वर मंदिर में पूजा को लेकर हुआ विवाद

» **दलित युवक और पुजारी पक्ष ने एक-दूसरे पर लगाए मारपीट के आरोप**

» **दोनों पक्षों ने थाने में दी तहरीर, पुलिस कर रही जांच**

स्वराज इंडिया संवाददाता

रामनगर (बाराबंकी)। लोधेश्वर महादेव मंदिर में पूजा व जलाभिषेक को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। दलित युवक ने मंदिर में पूजा करने से रोकने और मारपीट का आरोप पुजारी के बेटों पर लगाया है, वहीं पुजारी पक्ष ने महिला पर अभद्र टिप्पणी का विरोध करने पर झगड़े की बात कही है। फिलहाल, पुलिस दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर जांच में जुटी है।

मामला महादेवा गांव निवासी शैलेंद्र प्रताप उर्फ शेखर गौतम पुत्र कल्लू राम गौतम से जुड़ा है। शैलेंद्र का आरोप है कि वह गुरुवार देर शाम लोधेश्वर मंदिर में पूजा और जलाभिषेक करने गया था, तभी मंदिर में मौजूद अखिल तिवारी और शुभम तिवारी ने उसे जातीय अपशब्द कहकर पूजा करने से रोका और मारपीट की। इस हमले में उसे चोटें आई हैं और उसका इलाज जारी है।

वहीं दूसरी ओर मंदिर के पुजारी बाबा आदित्यनाथ तिवारी का कहना है कि उनका बेटा और बहू पूजा के लिए मंदिर पहुंचे थे, तभी शैलेंद्र ने बहू के साथ अमर्यादित व्यवहार किया। इसी का विरोध करने पर झगड़ा हुआ।

थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार पांडे ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि साक्ष्य और गवाहों के आधार पर निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी।

इस विवाद के बाद गांव में माहौल तनावपूर्ण जरूर है, लेकिन स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। स्थानीय पुलिस शांति बनाए रखने की अपील कर रही है।

कांवड़ यात्रा 2025: सीएम योगी की हाईटेक निगरानी, महाकुंभ जैसी सुरक्षा व्यवस्था

» सावन माह को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। सावन माह में होने वाली कांवड़ यात्रा 2025 के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने अभूतपूर्व सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इस बार महाकुंभ जैसी सुरक्षा तैयारियां की गई हैं। हाईटेक ड्रोन, अत्याधुनिक कंट्रोल रूम और भारी संख्या में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती से यात्रा पूरी तरह सुरक्षित और सुचारु रखने की कोशिश हो रही है।

24म7 निगरानी के लिए अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल

कांवड़ यात्रा मार्ग और प्रमुख शिवालयों पर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी माईन कंट्रोल रूम से रियल टाइम की जा रही है। 395 हाइटेक ड्रोन और 29,454 CCTV कैमरे चौबीसों घंटे हर गतिविधि पर नजर रख रहे हैं। इसके साथ ही टीथर्ड ड्रोन तकनीक से स्थिर उड़ान भरते हुए लंबी अवधि की निगरानी सुनिश्चित की जा रही है।

एटीएस, RAF और QRT की जमीन पर तैनाती

सुरक्षा के लिए एंटी टेरर स्क्वॉड (ATS), रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) और क्विक रिएक्शन टीम (QRT) को संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया गया है।

कांवड़ियों की सुरक्षा में कोई चूक न हो, इसके लिए पुलिस बल की भारी तैनाती की गई है।

587 राजपत्रित अधिकारी

13,520 सब-इंस्पेक्टर

39,965 आरक्षी प्रदेश भर में तैनात किए गए हैं।

सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर

अफवाहों और भ्रामक जानकारी को रोकने के लिए सोशल मीडिया सेल पूरी तरह सतर्क है। किसी भी अफवाह फैलाने वाले पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

QR कोड से अधिकारी की जानकारी

हर पुलिस अधिकारी की जानकारी और दिशा-निर्देश QR कोड के माध्यम से साझा किए गए हैं, जिससे लोगों को तुरंत सहायता मिल सके।सीएम योगी आदित्यनाथ की इस हाईटेक योजना के चलते कांवड़ यात्रा न केवल अधिक सुरक्षित बन रही है, बल्कि श्रद्धालुओं को एक सहज और भक्तिमय वातावरण भी मिल रहा है।

बाल बाटिकाओं में 8800 ईसीसीई एजुकेटर की होगी तैनाती

» परिषदीय विद्यालयों में बालवाटिका को संवारने की बड़ी पहल

» बीएसए को 30 सितंबर तक पूरी करनी होगी नियुक्ति प्रक्रिया

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ/कानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार ने परिषदीय एवं कंपोजिट विद्यालयों में बालवाटिका को मजबूत करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। इसके तहत प्रदेश भर में 8800 अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन (ईसीसीई) एजुकेटरों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह एजुकेटर बच्चों की शुरुआती शिक्षा को गुणवत्ता से

जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।शिक्षा मंत्रालय की वार्षिक परियोजना के अंतर्गत प्रदेश के प्राथमिक व कंपोजिट विद्यालयों में को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों और

कानपुर नगर	100 पद
कानपुर देहात	110 पद
इटावा	90 पद
औरैया	80 पद
कन्नौज	90 पद
फर्रूखाबाद	80 पद

बालवाटिकाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से यह तैनाती की जा रही है। सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों (बीएसए) को निर्देशित किया गया है कि वे जेम पोर्टल के माध्यम से यह प्रक्रिया 30 सितंबर तक पूरी कर लें।

महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने सभी 75 जिलों के लिए आवश्यकतानुसार एजुकेटरों की संख्या निर्धारित कर भेज दी है।

इसके तहत कानपुर मंडल में निम्नानुसार पद स्वीकृत किए गए हैं। शिक्षा विभाग का यह प्रयास न केवल प्रारंभिक शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा देगा, बल्कि प्रशिक्षित मानव संसाधन की उपलब्धता से बालवाटिका में पढ़ने वाले बच्चों को बेहतर सीखने का माहौल भी मिलेगा। यह योजना राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

श्रीगणेशोत्सव महाराष्ट्र का राज्योत्सव घोषित

इस साल बप्पा 27 अगस्त को गणपति बप्पा धूम-धाम से पधारेंगे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव से पहले होने वाले श्री गणेशोत्सव को लेकर फड़नवीस सरकार ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण फैसला लिया है। भाजपा ने इस फैसले के जरिए ठाकरे बंधुओं की एकता और भाषा और क्षेत्रवाद की धार को कम करने का प्रयास किया है। फडणवीस सरकार ने महाराष्ट्र में गणेशोत्सव को राज्योत्सव का दर्जा दिया है।

राज्य के सभी गणेश भक्तों के लिए यह खुशखबरी है। अब से गणेशोत्सव राजकीय उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। संस्कृति मंत्री आशीष शालर ने विधानसभा में घोषणा की कि गणेशोत्सव राज्य उत्सव होगा। भाजपा विधायक हेमंत रासाने ने विधानसभा के मानसून सत्र में इस संबंध में प्रस्ताव रखा था। इस पर बात करते हुए आशीष शेलार ने गणेश भक्तों को यह खुशखबरी दी है। आपको बताए चलें बप्पा के आगमन में बस कुछ ही दिन बचे हैं। इस साल बप्पा 27 अगस्त को गणपति बप्पा धूम-धाम से पधारेंगे। गणेशोत्सव में बस कुछ ही दिन बाकी हैं, ऐसे में राज्य सरकार की ओर से यह एक बड़ा ऐलान किया गया है।

शेलार ने विधानसभा में घोषणा करते हुए कहा कि गणेशोत्सव पूरे राज्य में महाराष्ट्र के त्योहार की तरह मनाया जाएगा। शेलार की इस घोषणा के बाद गणेश भक्तों में खुशी का माहौल है। आशीष शेलार ने विधानसभा में कहा कि कुछ लोगों ने अलग-अलग कारणों से गणेशोत्सव की सार्वजनिक परंपरा को बाधित किया था। लेकिन हमने इन सभी स्पीड ब्रेकरों को हटाने का काम किया है। इसे आधिकारिक राज्य उत्सव का दर्जा देकर, भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार न केवल परंपरा का सम्मान कर रही है, बल्कि महत्वपूर्ण निकाय चुनावों से पहले, इसे एक मजबूत हिंदुत्व के संकेत के रूप में देखते हुए, राजनीतिक ध्यान भी आकर्षित कर रही है। राज्य में गणेशोत्सव का गहरा महत्व है, इसके सार्वजनिक उत्सवों की शुरुआत 1893 से हुई है। जब लोकमान्य तिलक ने औपनिवेशिक शासन के दौरान एकता और प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में इस उत्सव को लोकप्रिय बनाया था।

नेतृत्व परिवर्तन पर कोई चर्चा नहीं : सिद्धारमैया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के अंदरूनी विवाद और बगावत के स्वर लगातार बढ़ते जा रहे हैं। दिल्ली में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। मुलाकात के बाद सिद्धारमैया ने कहा कि नेतृत्व परिवर्तन का मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई।

एक तरफ कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी बिहार की सत्ता हासिल करने के लिए जोर लगा रहे हैं, लेकिन दूसरे तरफकर्नाटक में विवाद और बगावत के स्वर दिखाई दे रहे हैं। कर्नाटक में कांग्रेस सत्ता पर काबिज है, लेकिन वहां कुर्सी को लेकर आपस में खींचतान चल रही है। कर्नाटक में कांग्रेस संगठन को लेकर अंदरूनी खींचतान तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार इन दिनों दिल्ली में डेरा डाले हुए थे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मिलने का समय मांगा। हालांकि, राहुल की ओर से दोनों को अब तक मिलने का समय नहीं दिया गया।

कर्नाटक में कांग्रेस अध्यक्ष के परिवर्तन की अटकलें तेज हो गई हैं। विधायक इक़बाल हुसैन, सीपी योगेश्वर, उदय गौड़ा और तनवीर सैत ने स्पष्ट तौर पर प्रदेश इकाई के नेतृत्व का बदलाव करने के पक्ष में खड़े हुए हैं। जबकि सतीश जारकीहोली, महादेवप्पा और जमीर अहमद प्रदेश अध्यक्ष के बदलाव का विरोध में खड़े हुए हैं।

दिल्ली में शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि खरगे से मुलाकात के दौरान नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं हुई है। मैंने कई बार कहा है, यह मामला हाईकमान के सामने है ही नहीं

सिद्धारमैया गुट के नेताओं ने बीते दिन (गुरुवार) को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की और केपीसीसी अध्यक्ष पद के लिए सतीश जारकीहोली का नाम आगे रखा। सतीश वर्तमान में सिद्धारमैया की सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री हैं और एसटी कम्यूनिटी से आते हैं। सिद्धारमैया गुट ने कांग्रेस अध्यक्ष से आग्रह किया है कि अगस्त या तो सितंबर तक प्रदेश के अध्यक्ष में बदलाव करें।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने नेतृत्व परिवर्तन के अटकलों पर विराम लगाते हुए गुरुवार को कहा था कि वही 5 साल तक कर्नाटक के सीएम रहेंगे और अपना कार्यकाल पूरा करेंगे

विपक्षियों का तंज

संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान को विपक्ष ने हाथोहाथ लपक लिया

75 साल की लकीर, क्या पीएम मोदी के लिए संकेत

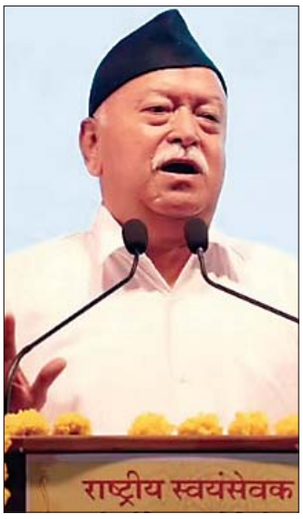

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुंबई। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि 75 साल के हो जाने पर लोग आपको शॉल ओढ़ाने लगते हैं। इसका मतलब है कि आपकी उम्र हो गई है, अब साइट हट जाओ। मोहन भागवत के बयान को विपक्षी दलों के नेताओं ने लपक लिया। उन्होंने कहा कि भागवत का बयान पीएम मोदी की तरफ इशारा है।

लोकसभा चुनाव 2024 के बाद राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक मोहन भागवत लगातार ऐसे बयान दे रहे हैं, जो बीजेपी को असहज कर रही है। एक बार फिर संघ प्रमुख ने 75 साल की उम्र की सीमा को लेकर बयान दिया है। संघ प्रमुख ने कहा कि 75 की उम्र होने के बाद दूसरों को भी असवर देना चाहिए। जब आपको 75 साल पूरे होने पर शॉल ओढ़ाई जाती है तो इसका मतलब होता है कि आपकी उम्र हो गई है। अब आपको किनारे हो जाना चाहिए। भागवत ने रामजन्मभूमि आंदोलन के प्रेरक दिवंगत मोरोपंत पिंगले पर लिखी किताब के विमोचन के अवसर पर यह बात कही।

भाजपा ने काटे हैं कई नेताओं के टिकट

भाजपा ने साल 2019 के लोकसभा चुनाव में 75 साल से अधिक उम्र के कई वरिष्ठ नेताओं को टिकट काट दिया। इनमें लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, सुमित्रा महाजन, कलराज मिश्र, जैसे कई कद्दावर नेता शामिल थे। दरअसल, 2014 में बीजेपी के सत्ता में आते ही 75 साल की उम्र से ज्यादा के नेताओं को रिटायर करने का ट्रेंड शुरू हुआ था। बुजुर्ग नेताओं को पार्टी ने मार्ग दर्शक मंडल में शामिल किया।

मोदी करेंगे 2029 में देश का नेतृत्व

बीते साल लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्षी नेताओं खासकर आम आदमी पार्टी की तरफ से ये नेरेटिव सेट करने की कोशिश की गई कि साल 2025 में पीएम मोदी रिटायरमेंट ले लेंगे, तो इस पर जवाब देने के लिए खुद अमित शाह को आगे आना पड़ा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि भाजपा में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। पीएम मोदी साल 2029 में देश का नेतृत्व करेंगे।

विपक्ष ने संघ प्रमुख के बयान को लपका : संघ प्रमुख के इस बयान को विपक्ष ने हाथोंहाथ लपक लिया। शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत ने कहा कि पीएम मोदी ने लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, जसवंत सिंह जैसे बड़े नेताओं को जबरन रिटायरमेंट दिला दिया था। अब देखते हैं कि पीएम मोदी इसका खुद भी पालन करेंगे कि नहीं। इससे पहले आम आदमी पार्टी भी कई बार कह चुकी है कि बीजेपी ने 75 वर्ष की समय सीमा तय कर रखी है। पीएम मोदी इस साल 17 सितंबर को 75 वर्ष के हो जाएंगे। वह रिटायर हो सकते हैं।